मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 105, मुंबई, सोमवार, 7 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

ड्रग्स केस में रिया का खुलासा

बहन और जीजा के साथ गांजा लेते थे सुशांत सिंह राजपूत

सुशांत का परिवार जानता था कि उन्हें ड्रग्स की लत पड़ चुकी है | हालत बिगड़ने के बावजूद सुशांत अस्पताल जाने के लिए राजी नहीं हुए | सुशांत उनसे इसलिए मिलते थे, ताकि वे उन्हें ड्रग्स मुहैया करा सकें

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स एंगल में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रिया चक्रवर्ती का बयान अपनी चार्जशीट में शामिल किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो यह बयान हाथ से लिखा हुआ है और इसमें रिया ने सुशांत के परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिया के मुताबिक, सुशांत को ड्रग्स की लत उनसे मिलने से पहले ही लग चुकी थी। इसी के चलते वे उनके करीब आए थे। रिया ने अपने बयान में कहा है कि सुशांत अपनी बहन प्रियंका और जीजा सिद्धार्थ के साथ गांजा लिया करते थे और उनके लिए वे गांजा लाया भी करते थे।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

बिना किसी डर, धमकी के दिया बयान: रिया ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने सुशांत को अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की थी और इस बात के उनके पास सबूत भी हैं। हालांकि, इस बात के लिए सुशांत सहमत नहीं थे। इसलिए ऐसा नहीं हो सका। रिया ने अपने बयान के आखिर में लिखा है कि उन्हें इस तरह का बयान देने के लिए एनसीबी द्वारा डराया या धमकाया नहीं गया। सभी अधिकारियों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया।

मुंबई पुलिस की मेरठ में छापेमारी

नकली दवाई की फैक्ट्री चलाने वाला गिरफ्तार, फैक्ट्री सील

संवाददाता / मुंबई। मुंबई पुलिस ने मेरठ के खरखौदा स्थित धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में नकली दवाई बनाने वाली फेक्ट्री में छापा मारा। और फैक्ट्री मालिक को गिरफ्तार कर लिया। 8 दिन पहले गाजियाबाद निवासी एक दवाई कारोबारी नकली दवाइयों के साथ पकड़ा गया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हापुड़ की सीमा से सटे इलाके में यह कार्रवाई की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मालाड एवरशाइन नगर में भाजपा पार्षद वार्ड 47 जया सतनाम सिंह तिवाना सहित 4 लोगों के खिलाफ दर्ज FIR

समोसा वाले से मारपीट का आरोप

संवाददाता

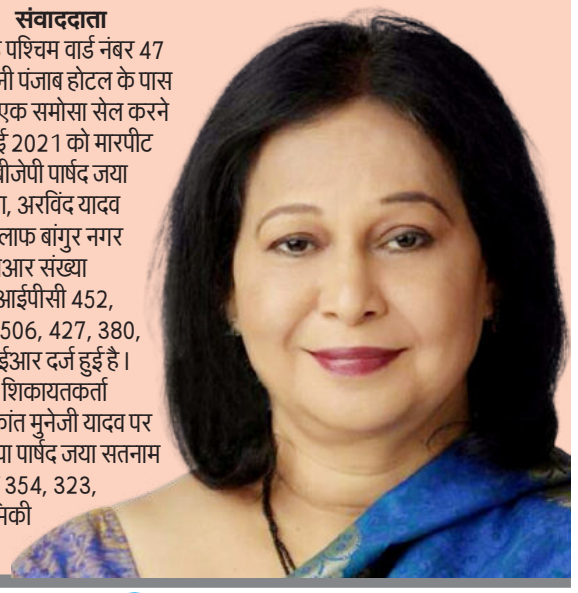

मुंबई। मालाड पश्चिम वार्ड नंबर 47 एवरशाइन नगर मिनी पंजाब होटल के पास अस्मी सोसाइटी में एक समोसा सेल करने वाले के साथ 20 मई 2021 को मारपीट करने के आरोप में बीजेपी पार्षद जया सतनाम सिंह तिवाना, अरविंद यादव और 2 लोगों के खिलाफ बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में सीआर संख्या 448/2021 धारा आईपीसी 452, 324, 323, 504, 506, 427, 380, 34 के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। पहले इस मामले के शिकायतकर्ता समोसा वाला राधाकांत मुनेजी यादव पर 20 अप्रैल को भाजपा पार्षद जया सतनाम सिंह तिवाना ने धारा 354, 323, 504 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सतर्क मौद्रिक नीति

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति ने अपनी द्वि-मासिक बैठक में देश की आर्थिक स्थिति और कोरोना की दूसरी लहर के मद्देनजर रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया है। समिति ने अर्थव्यवस्था में नकदी की उपलब्धता के लिए अनुकूल रुख बनाए रखने का भी तय किया है। यह फैसला अपेक्षित था, क्योंकि ऐसी कोई बड़ी वजह नहीं है कि रिजर्व बैंक अपनी नीतियों में परिवर्तन करे। गौरतलब यह है कि रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट पिछले साल अक्तूबर से यही बने हुए हैं। रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति में परिवर्तन दो वजहों से कर सकता है। एक, विकास दर को बढ़ाना है, जिसके लिए अमूमन रेपो रेट घटाई जाती है, क्योंकि इससे बैंकों को सस्ती नकदी मिलती है और वे भी अपनी ब्याज-दरें घटाकर सस्ते कर्ज दे सकते हैं। अर्थशास्त्र के सिद्धांत के मुताबिक, जब बाजार में वस्तुओं की पूर्ति के मुकाबले नकदी ज्यादा हो, तो महंगाई बढ़ती है, इसलिए इसे घटाने के लिए बाजार से नकदी कम करने की कोशिश की जाती है। इसके लिए रेपो रेट बढ़ाकर कर्ज महंगे करना एक उपाय है। फिलहाल कोरोना के चलते रिजर्व बैंक की कोशिश यही है कि नकदी की उपलब्धता ज्यादा हो। इसके लिए वह कई तरीके अपना रहा है, हालांकि विकास की गति बार-बार रुक जाती है। पहली लहर के बाद जब अर्थव्यवस्था कुछ गति पकड़ रही थी, तभी दूसरी लहर आ गई और मामला फिर वहीं आ गया। इसकी वजह से रिजर्व बैंक ने इस वित्त-वर्ष में विकास दर के अपने अनुमान को 10.5 प्रतिशत से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है, हालांकि मौजूदा अस्थिर परिस्थितियों में यह अनुमान भी कितना टिकेगा, बताना मुश्किल है। महंगाई का रिजर्व बैंक का अनुमान 5.1 प्रतिशत है, जो अपेक्षा के अनुकूल है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से महंगाई जैसे बढ़ रही है, उस पर रिजर्व बैंक को विचार करना होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में खनिज तेल व उपभोक्ता वस्तुओं के दाम तेज हो रहे हैं और घरेलू महंगाई भी बढ़ रही है, जबकि देश में मांग का कोई दबाव नहीं है। रिजर्व बैंक को देर-सवेर एक और समस्या पर गौर करना होगा। अर्थव्यवस्था में कोई तेजी नहीं है, लेकिन स्टॉक मार्केट तेजी से ऊपर चढ़ रहा है। वास्तविक अर्थव्यवस्था और स्टॉक मार्केट के बीच यह दूरी सारी दुनिया में है। यह विरोधाभास काफी दिनों से चला आ रहा है और किसी न किसी दिन स्टॉक मार्केट को यथार्थ का सामना करना पडेगा। इसकी एक वजह यह भी है कि कोरोना के चलते बाजार में केंद्रीय बैंक ने जो आसान नकदी डाली है, वह वास्तविक अर्थव्यवस्था की जगह स्टॉक मार्केट में जा रही है, क्योंकि बाजार में मांग न होने की वजह से कोई निवेश नहीं करना चाहता। रिजर्व बैंक की अर्थव्यवस्था के लिए उम्मीद कृषि क्षेत्र की मजबूती, अच्छे मानसून और दुनिया में आर्थिक गतिविधियों के तेज होने पर टिकी है। कृषि क्षेत्र तो पिछले साल भी डूबती हुई अर्थव्यवस्था में एक उम्मीद की किरण बना हुआ था और अब भी उम्मीद बड़ी हद तक इस पर है, तो हमें सरकार से किसानों के लिए कुछ ज्यादा करने की अपेक्षा करनी चाहिए। रिजर्व बैंक ने कहा कि बहुत कुछ वैक्सीनेशन पर निर्भर है। अगर युद्ध स्तर पर तेजी से वैक्सीन लगती है, तो कोरोना पर काबू किया जा सकेगा, और तभी अर्थव्यवस्था में भी आत्मविश्वास जगेगा।

छात्रों के मूल्यांकन का कठिन सवाल

कोविड महामारी के कारण केंद्र सरकार ने पिछले साल की तरह इस साल भी सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षाएं न कराने का फैसला किया। 10वीं की परीक्षा न कराने का फैसला पहले ही कर लिया गया था। केंद्र सरकार के फैसले के बाद कई राज्यों ने भी 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं न कराने का फैसला किया है। अपने देश में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं मील का पत्थर होती हैं। 10वीं के मुकाबले 12वीं की परीक्षा इसलिए ज्यादा महत्व रखती है, क्योंकि इस परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर ही छात्र कालेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिला पाते हैं। कुछ छात्र ऐसे होते हैं, जो मेडिकल और इंजीनियरिंग की परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। कई छात्र 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद विदेश पढने भी जाते हैं। चूंकि पिछले साल कोरोना संक्रमण फैलने के पहले कुछ विषयों की परीक्षाएं हो गई थीं, इसलिए रिजल्ट तैयार करने में कुछ आसानी हुई थी। इस बार एक भी विषय की परीक्षा नहीं हो पाई है, इसलिए रिजल्ट तैयार करने में मुश्किल पेश आएगी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी है। सीबीएसई बोर्ड की ओर से केंद्र सरकार ने जल्द ही छात्रों के मूल्यांकन का तरीका बताने को कहा है। देखना है कि सुप्रीम कोर्ट उससे संतुष्ट होता है या नहीं? सीबीएसई और अन्य राज्यों के बोर्ड छात्रों का मूल्यांकन चाहे जैसे करें, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस शैक्षिक सत्र में बहुत कम पढ़ाई हो पाई है। कुछ ही स्कूल थोड़े समय के लिए खुल सके। छात्रों ने जो भी पढ़ाई की, वह जूम और ऐसे ही प्लेटफार्म के जरिये आनलाइन ही की। आनलाइन पढ़ाई के चलते छात्र उस माहौल से वंचित रहे, जो उन्हें स्कूल जाने पर मिलता है। हालांकि पहले ऐसा लग रहा था कि सरकार 12वीं की परीक्षाएं आयोजित करने का मन बना रही है। कई राज्य सरकारें भी इसके पक्ष में थीं, लेकिन शायद बाद में यह पाया गया कि किसी तरह का जोखिम नहीं लिया जाना चाहिए। चूंकि अभी कोरोना

संक्रमण की दूसरी लहर समाप्त नहीं हुई, इसलिए परीक्षा कराना जोखिम भरा तो था ही। हो सकता है कि जुलाई-अगस्त तक माहौल परीक्षाओं के अनुकूल हो जाता, लेकिन इसकी गारंटी भी नहीं थी और छात्रों एवं अभिभावकों को और अधिक समय तक दुविधा में बनाए रखना ठीक नहीं होता। परीक्षाओं के आयोजन में एक जोखिम उसी दौरान संक्रमण की तीसरी लहर के सिर उठाने का भी था। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस लहर में बच्चों और किशोरों के चपेट में आने की आशंका है। निःसंदेह परीक्षाओं की अपनी एक महत्ता होती है, लेकिन जानबूझकर जोखिम भी मोल नहीं लिया जा सकता। यदि सरकारें इस नतीजे पर पहुंचीं कि छात्रों की सेहत की चिंता ज्यादा जरूरी है तो यह उचित ही है। 12वीं की परीक्षाएं न कराने के फैसले के बाद प्रधानमंत्री ने छात्रों से बात की तो ज्यादातर ने इस फैसले को सही बताया। वे छात्र अधिक खुश नजर आए, जो इंजीनियरिंग या मेडिकल परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। वे छात्र निराश हो सकते हैं, जो 12वीं में अधिक अंक लाकर अपने मनपसंद विश्वविद्यालय अथवा विदेश में पढना चाह रहे थे। फिलहाल यह कहना कठिन है कि विदेशी विश्वविद्यालय 12वीं के छात्रों की मूल्याकंन नीति को कितना महत्व देंगे? उनके साथ-साथ देश के चुनिंदा विश्वविद्यालय भी छात्रों के आकलन की अपनी कोई व्यवस्था अपना सकते हैं। ऐसे में नामी स्कूलों के छात्रों लाभ में रह सकते हैं और सामान्य स्कूलों के मेधावी छात्र घाटे में, क्योंकि यह एक धारणा है कि प्रतिष्ठित स्कूलों के छात्र पढ़ाई में अच्छे होते हैं। जो भी हो, 12वीं की परीक्षा के रद होने से परीक्षा का विकल्प खोजने की आवश्यकता बढ़ गई है। आगे हालात सामान्य होने पर क्या दशकों पुरानी परीक्षा प्रणाली बहाल की जाएगी या फिर उसका कोई विकल्प खोजा जाएगा? सवाल यह भी है कि क्या सीबीएसई और अन्य बोर्ड इतनी जल्दी कोई ऐसी तर्कसंगत एवं पारदर्शी मूल्यांकन की व्यवस्था बना पाएंगे, जो पुरानी परीक्षा व्यवस्था का उचित विकल्प साबित हो? आम तौर पर जो छात्र 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास करते हैं, उन्हें आगे भी सफलता मिलती रहती है। अभी तक की जो व्यवस्था है, उसमें 12वीं की परीक्षा के अंक ही छात्रों की आगे की शिक्षा का निर्धारण करते हैं। एक तरह से यही अंक उनके भविष्य को दिशा देते हैं। अधिकांश छात्र अपनी रुचि वाली पढ़ाई के अनुरूप ही करियर का चयन करते हैं। निःसंदेह कई छात्र ऐसे भी होते हैं जो 12वीं में अच्छे अंक नहीं लाते और विश्वविद्यालयों में भी सामान्य छात्र गिने जाते हैं, लेकिन आगे चलकर सफल व्यक्ति बनते हैं और नाम कमाते हैं। आखिर ऐसे छात्रों की क्षमता और कौशल का परंपरागत परीक्षा में सही परीक्षण क्यों नहीं हो पाता? यह वह सवाल है, जो शिक्षाविदों के लिए चुनौती बना हुआ है। किशोरावस्था में किसी छात्र की मेधा के बारे में सही-सही पता कर लेना और उसके जीवन को दिशा देना आसान काम नहीं। मोदी सरकार अपनी नई शिक्षानीति तेजी से लागू कर रही है। इस शिक्षा नीति को जब लाया गया था, तब इसका अनुमान नहीं था कि कोरोना संकट इतना विकराल रूप धारण कर लेगा। वैसे तो नई शिक्षा नीति में मेधा को पहचानने की बातें की गई हैं, लेकिन अब जब कोविड महामारी नई चुनौतियां पेश करने के साथ रोजमर्रा के जीवन को तेजी से बदल रही है और सुप्रीम कोर्ट को दो सप्ताह के अंदर मूल्यांकन का तरीका बताना है, तब फिर सदियों पुरानी परंपरागत परीक्षा का विकल्प खोजना किसी चुनौती से कम नहीं।

ऐसे निकले अमेरिका, चीन से हम आगे!

सरकारी अधिकारियों, पूर्व अधिकारियों, मंत्रियों, भाजपा नेताओं आदि की मानें तो हर दिन हम लोग किसी न किसी क्षेत्र में अमेरिका, चीन आदि को छोड़ कर आगे निकल रहे हैं। भारत सरकार के पूर्व वित्त सचिव और आधार परियोजना के सीईओ रहे अजय भूषण पांडेय ने लेख लिख कर बताया है कि डिजिटल ट्रांजेक्शन और डिजिटल बैंकिंग के मामले में भारत ने अमेरिका और चीन दोनों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने बताया है कि अमेरिका कैसा पिछड़ा देश है, जहां अभी तक कागज वाले चेक से काम चल रहा है। बड़ी हिकारत के साथ उन्होंने लिखा है कि अमेरिका में पिछले साल नौ करोड़ कागज वाले चेक मेल से भेजे गए और दूसरी ओर भारत ने एक अरब खाते आधार से जोड़ दिए। नोटबंदी के बाद भी देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी मात्रा में कैश के चलन को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करने वालों को जवाब देते हुए अजय भूषण पांडेय ने लिखा है कि 2020 में भारत में 25 अरब डिजिटल ट्रांजेक्शन हुए, जबकि बेचारे चीन में सिर्फ 15 अरब कैशलेस ट्रांजेक्शन हुआ। सोचें, चीन कितना पिछड़ा हुआ है भारत से। उन्होंने बताया है कि अर्थव्यवस्था में नकदी की ज्यादा मौजूदगी इस वजह से है क्योंकि पिछले कुछ बरसों में

सरकार ने नकद हस्तांतरण की योजना के तहत चार लाख 30 हजार करोड़ रुपए लोगों के खाते में डाले हैं और लोगों ने वह पैसा निकाला है। अब सोचें, जब लोगों के खाते में पैसे जा रहे हैं और वे नकद निकाल ले रहे हैं तो फिर कैशलेस इकॉनोमी का डंका बजाने की क्या जरूरत है? हकीकत यह है कि काला धन बाहर लाने के मामले में नोटबंदी का फैसला जब फेल होने लगा तो सरकार ने अपने बचाव में कहना शुरू किया कि इसका मकसद कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने का है। उस समय देश की अर्थव्यवस्था में 18 लाख करोड़ के करीब नकदी थी, जिसमें से 15 लाख 28 हजार करोड़ रुपए पांच सौ और एक हजार रुपए के नोटों की शक्ल में था। ये सारे नोट रद्द हो गए। तब अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपए के छोटे नोट बचे थे। उसके बाद दो सौ, पांच सौ और दो हजार रुपए के नए नोट छपे। आज देश की अर्थव्यवस्था में 28 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी है। अगर पूर्व वित्त सचिव की बात मान भी लें कि चार लाख 30 हजार करोड़ रुपया नकद हस्तांतरण वाला है तब भी साढ़े चार साल में 18 लाख करोड़ से 28 लाख करोड़ रुपए की नकदी कैसे हो गई? अगर अर्थव्यवस्था में नकदी भी बढ़ रही है और डिजिटल ट्रांजेक्शन भी बढ़ रहा है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना चाहिए लेकिन यहां तो अर्थव्यवस्था सिकुड़ रही है और कहा जा रहा है कि 2022 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार 2020 के बराबर ही रहेगा! दूसरा अहम सवाल यह है कि अर्थव्यवस्था में 28 लाख करोड़ रुपए की जो नकदी है वह कहां है? वह दिख क्यों नहीं रही है? क्या उसकी कहीं होर्डिंग हो गई है? बहरहाल, असली आंकड़ा यह है कि चीन की अर्थव्यवस्था भारत के चार गुनी बड़ी है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था दस गुनी बढ़ी है और पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में जब भारत की अर्थव्यवस्था डेढ़ फीसदी से कुछ ज्यादा रफ्तार से बढ़ी तो चीन में विकास दर 18 और अमेरिका में छह फीसदी से ऊपर थी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती...बर्थडे सेलिब्रेशन के नाम पर बुलाया और फिर किशोरी से गैंगरेप, 6 गिरफ्तार, 1 फरार

मुंबई। इंस्टाग्राम वाले एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गई 16 वर्षीय एक नाबालिग से उसके 7 दोस्तों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। मुंबई में मालवणी पुलिस से जुड़े एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, 31 मई की रात को यह वारदात हुई थी, जब पीड़िता मढ बीच पर एक नामचीन होटल के करीब कार में अपने दोस्त का जन्मदिन मना रही थी। इस मामले में अब तक पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 7वें आरोपी की तलाश जारी है। सभी आरोपियों की उम्र 18 से 23 साल के बीच है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़ित लड़की के इंस्टाग्राम पर काफी दोस्त हैं। इन्हीं में

से मालवणी चर्च निवासी एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में वह शरीक होने अपने माता-पिता से छिपकर गई थी। पार्टी में जाने से पहले किशोरी ने अपने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था। बताया जा रहा है कि पार्टी से जब देर रात लड़की घर नहीं लौटी तो उसकी मां ने मालवणी पुलिस में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। हालांकि, अगले दिन यानी 1 जून को पीड़िता घर आ गई, लेकिन उसने पेट में तेज दर्द होने की बात मां से कही। परिजन ने बेटी से असहनीय दर्द के बारे में पूछा तो उसने टालमटोल किया। इसकी सूचना पुलिस को भी मिली। पुलिस ने जब पीड़ित लड़की से गुमशुदगी एवं दर्द के बारे में कड़ी पूछताछ की तो उसने दोस्तों द्वारा किए गए सामूहिक दुष्कर्म की बात कही। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके साथ दो जगहों पर दो बार दुष्कर्म किया गया।

जांच में जुटी पुलिसः आरोपियों में से एक उसका इंस्टाग्राम दोस्त था, बाकी उसके दोस्त के दोस्त थे। बेटी की बात सुनकर पुलिस और परिजन, दोनों सहम गए। पुलिस पीड़ित लड़की की शिकायत पर सातों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी और जबरन वसूली समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर घटना की जांच में जुट गई है। डीसीपी चैतन्य एस ने इस मामले में शुक्रवार रात को ही 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिए जाने की पुष्टि की है।

30 वर्षीय व्यवसायी को फाइव स्टार होटल से 24 वर्षीय महिला से बलात्कार के आरोप में किया गया गिरफ्तार

दै. मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। जुहू पुलिस ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक पांच सितारा होटल से 30 वर्षीय व्यवसायी को शादी का वादा करके 24 वर्षीय लड़की से कथित रूप से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जुहू पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया था, उन्हें सूचित किया गया था कि वह मुंबई से अपने गृह नगर राजस्थान हवाई मार्ग से लौटने वाला हैं। पांच सितारा होटल में अपने कमरे में प्रवेश करते ही पुलिस ने आरोपी पर नजर रखी, उसे पकड़ लिया गया, देवी एक व्यापारिक बैठक के लिए मुंबई में था और कुछ घंटों में राजस्थान लौट रहा था क्योंकि उसे पता था कि वह था पुलिस द्वारा वांछित, जुहू पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत माने ने कहा। जुहू पुलिस के अनुसार एक निजी फर्म में काम करने वाली महिला ने इंस्टाग्राम पर पुखराज देवासी उर्फ राजीव के रूप में पहचाने गए आरोपी से मुलाकात की थी। उसने एक बार उसकी तस्वीर पर टिप्पणी की थी जिसके बाद दोनों ने 2019 में चैट करना शुरू किया। कुछ महीनों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद, देवासी, जो एक मोबाइल स्पेयर पार्ट्स डीलर है, ने पीड़िता को प्रस्ताव दिया। इसके बाद देवासी ने विले पार्ले के लल्लूभाई पार्क में एक मकान किराए पर लिया और वहां पीड़िता से शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। देवासी ने पीड़िता से व्यापार के लिए 35 लाख रुपये उधार लिए थे, जब दंपति साथ थे। 29 मई को जब आरोपी ने पीड़िता के कॉल का जवाब देना बंद कर दिया और पैसे वापस करने की उसकी मांग को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया, तो महिला ने जुहू पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज की।

अनलॉक : सोच समझकर कदम उठा रही है महाराष्ट्र सरकारः ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि सरकार कोरोना वायरस के चलते राज्य में लागू पाबंदियों में ढील देने के मामले में सोच समझकर कदम उठा रही है। उन्होंने अग्रणी उद्योपतियों के साथ हुई डिजिटल बैठक के दौरान यह बात कही। राज्य सरकार ने सोमवार से प्रदेश में पाबंदियों में ढील देने के लिये पांच स्तरीय योजना की घोषणा की थी। इसमें साप्ताहिक संक्रमण दर और ऑक्सीजन बिस्तरों पर मरीजों की संख्या के आधार पर ढील देने की बात कही गई है। इस संबंध में शुक्रवार रात एक अधिसूचना जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार सोच-समझकर कदम उठा रही है। लोगों को अपना ध्यान रखना चाहिये। तत्काल किसी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। कुछ मानदंड और स्तर तय किये गए हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ड्रग्स केस में रिया का खुलासा

रिया के इकबालिया बयान के मुताबिक, सुशांत का परिवार इस बारे में सब कुछ अच्छे से जानता था कि उन्हें ड्रग्स की आदत पड़ चुकी है। रिया ने एनसीबी को यह भी बताया कि जब सुशांत की हालत बिगड़ने लगी तो उनका भाई शौविक उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना चाहता था, लेकिन वे इसके लिए राजी नहीं हुए। रिया के मुताबिक, सुशांत उनसे इसलिए मिलते थे, ताकि वे (सुशांत) उन्हें ड्रग्स मुहैया करा सकें। रिया ने अपने बयान में उस प्रिस्क्रिप्शन का जिक्र भी किया, जो 8 जून 2020 को सुशांत की बहन प्रियंका ने उन्हें वॉट्सऐप पर भेजा था। इसमें librium 10 mg, nexito, जैसी दवाओं का जिक्र था, जो एनडीपीएस के तहत ड्रग्स थे। प्रिस्क्रिप्शन में सुशांत को ये दवाएं लेने के लिए कहा गया था। दवाओं का यह पर्चा दिल्ली के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. तरुण ने सुशांत से मिले बगैर बनाया था। बिना कंसल्टेशन के ये दवाएं नहीं दी जा सकतीं। रिया ने एनसीबी को दिए बयान में यह बात खासतौर पर नोट कराई कि प्रियंका के भेजे गए प्रिस्क्रिप्शन की दवाओं से सुशांत की मौत हो सकती थी। 8-12 जून के बीच उनकी बहन मीतू उनके साथ रह रही थीं। उन्होंने इस बात की जानकारी मुंबई पुलिस को दी थी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने पिछले साल 14 जून को हुई बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स एंगल में 5 मार्च को मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया था। 12,000 पन्नों की चार्जशीट में एक्ट्रेस और सुशांत की कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक सहित 33 आरोपियों को नामजद किया गया है। इन डॉक्यूमेंट्स में 200 से ज्यादा गवाहों के बयान हैं।

मुंबई पुलिस की मेरठ में छापेमारी

सीओ किठौर बृजेश कुमार सिंह के अनुसार, मुंबई कादिवली ईस्ट के समता नगर थाने के इंस्पेक्टर अप्पा साहेब संपत राय शिरसाट ने कुछ दिन पूर्व गाजियाबाद निवासी सुदीप मुखर्जी पुत्र सुरेश मुखर्जी निवासी वसुंधरा गाजियाबाद को मुंबई पुलिस ने मुंबई से नकली दवाइयों के साथ गिरफ्तार किया था। उसके पास से पुलिस ने पेरासिटामोल, डाइक्लोफिनेक समेत अन्य दवाइयां बरामद की थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह खरखोदा थाना क्षेत्र के धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में बनी एबीएम लैब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से दवाई खरीद कर बाजारों में सप्लाई करता है। पूछताछ के बाद रविवार को मुंबई पुलिस ने ड्रग एवं खाद्य विभाग की टीम के साथ एबीएम लैब प्राइवेट लिमिटेड के मालिक संदीप मिश्रा पुत्र रत्नाकर मिश्रा निवासी आवास विकास कॉलोनी हापुड़ को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही फैक्ट्री में बन रही दवाइयों के नमूने लेकर उसे सील कर दिया। मुंबई पुलिस ने आरोपी संदीप मिश्रा को गिरफ्तार कर कर अपने साथ ले गई। वहीं संदीप मिश्रा का कहना है कि वह फैक्ट्री में खुली गोली बनाने का काम करता था। उसे गाजियाबाद निवासी सुधीर मुखर्जी दवाई खरीद कर अन्य शहरों में सप्लाई करता था। सीओ का कहना है कि मुंबई पुलिस ने फैक्ट्री पर सील लगाकर फैक्ट्री संदीप मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे मुंबई पुलिस अपने साथ ले गई है।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

अगर वह विदेश में रहता है तो गवाह की जांच कैसे शुरू हो सकती है?

उत्तरः आपराधिक अदालतों के पास विदेशी गवाह की जांच करने की व्यापक शक्ति है, बशर्ते ऐसे गवाह का सबूत आवश्यक हो। यदि विदेशी गवाह आने को तैयार नहीं है तो कमीशन पर उससे पूछताछ की जा सकती है। अदालत आमतौर पर कमीशन पर गवाहों की परीक्षा का आदेश पारित करती है जब वह संतुष्ट हो जाता है कि यह न केवल आवश्यक है बल्कि इसे लागू करने योग्य भी है। अदालत उस समय को बढ़ाने से भी इंकार कर सकती है जब गवाह की परीक्षा के लिए पारस्परिक समझौता होता है।

सीआरपीसी की धारा 285 के तहत दिशानिर्देश

यदि गवाह भारत के बाहर किसी स्थान पर है, लेकिन उस देश या स्थान के आपराधिक कानून के संबंध में गवाहों के साक्ष्य लेने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उस देश या स्थान की सरकार के साथ व्यवस्था की गई है, तो ऐसे में कमीशन जारी किया जाएगा। प्रपत्र, उस न्यायालय या अधिकारी को निर्देशित किया जाता है, और केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के माध्यम से निर्दिष्ट के रूप में प्रसारण के लिए प्राधिकरण को भेजा जाता है। जहां आरोपी को विदेश में कमीशन पर जांच करनी है तो वकील की सुविधा को आरोपी के मामले में सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता है क्योंकि उसने शुरूआती दौर में विदेशी गवाहों के साथ छेड़छाड़ की है। इसके अलावा, अदालत आयोग में गवाहों की परीक्षा के लिए आदेश पारित करती है जब अदालत न केवल ऐसे साक्ष्य की आवश्यकता के बारे में संतुष्ट होती है बल्कि गवाहों की परीक्षा के कमीशन की प्रभावी प्रवर्तनीयता के बारे में भी संतुष्ट होती है। जब अदालत को पता चलता है कि कोई पारस्परिक व्यवस्था नहीं है अस्तित्व में यह कोई आदेश देने के लिए इच्छुक नहीं है। संहिता की धारा 290 के अनुसार, धारा 286, धारा 287 और धारा 288 इसके कमीशन के निष्पादन पर लागू होती है और साथ ही इसकी वापसी किसी भी न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किए गए कमीशन पर भी उसी तरह लागू होगी जैसे वे धारा में लागू होते हैं। संहिता के 284.

ऊपर वर्णित न्यायालय, न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट हैं:

जिसके पास भारत में किसी स्थान पर अधिकार क्षेत्र है, जहां इस संहिता का दायरा नहीं है और केंद्र सरकार इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकती है। जो व्यक्ति भारत के बाहर किसी ऐसे देश में प्रैक्टिस कर रहा है जिसे केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना के माध्यम से निर्दिष्ट किया गया है और ऐसे न्यायालय, न्यायाधीशों और मजिस्ट्रेट को देश में प्रचलित आपराधिक कानून के आधार पर कमीशन जारी करने और इसे निष्पादित करने के लिए सक्षम होना चाहिए।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

मुंबईः एसयूवी कार से 12 किलो गांजा और 1 लाख रुपये बरामद

वांटेड व्यक्ति सुनील भंडारी गिरफ्तार

सुनील भंडारी पर पहले से ही चल रहा है हत्या का प्रयास व जबरन वसूली का मामला

दै. मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। एनसीबी मुंबई सीआर 43/21 में एक अनुवर्ती कार्रवाई में, एनसीबी मुंबई के अधिकारियों ने पुणे में पातास टोल गेट के पास कार एमएच05ईए3340 के साथ एक वांछित व्यक्ति सुनील भंडारी को रोका। वांछित व्यक्ति सुनील भंडारी बादलपुर का रहने वाला है और उसकी कार में उसके साथी अमन गागड़े के साथ पकड़ा गया जो अंबरनाथ का रहने वाला है। वांछित व्यक्ति की कार से कुल 12 किलो गांजा और 1 लाख रुपये भी बरामद किए गए। नशीले पदार्थ को कार की अगली सीट के नीचे बड़े ही चालाकी से छुपाया गया था। आरोपी सुनील भंडारी ने पूर्व में अग्रिम जमानत एनडीपीएस कोर्ट, कल्याण के लिए आवेदन किया था और उक्त आवेदन की सुनवाई 08/06/2021 को तय की थी, वह एनडीपीएस के 9 अन्य मामलों में शामिल है, हत्या का प्रयास, जबरन वसूली आदि का प्रयास किया गया था और स्थानीय पुलिस द्वारा बदलापुर से निर्वासित भी किया गया था। उक्त मामले को पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

दिलीप कुमार की तबीयत बिगड़ी

98 साल के एक्टर के फेफड़ों में भरा पानी, ऑक्सीजन लेवल भी घटा, पत्नी सायरा की अपील- साहब के लिए दुआ कीजिए

मुंबई। वेटरन एक्टर दिलीप कुमार को रविवार को मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दिलीप कुमार के फेफड़ों में पानी भर गया है। इस स्थिति को बाइलिटरल प्ल्यूरल इम्फ्यूजन कहा जाता है। हिंदुजा अस्पताल के डॉ. जलील पारकर ने कहा, 'दिलीप कुमार अभी न तो वेंटिलेटर पर हैं और न ही उन्हें आईसीयू में रखा गया है। अभी तो स्थिति ठीक है, लेकिन उम्र को देखते हुए आप ज्यादा कुछ नहीं कह सकते।' डॉ. पारकर ने कहा कि दिलीप साहब का कोविड टेस्ट करने की जरूरत नहीं पड़ी। फेफड़ों में पानी भरना उम्र संबंधी दिक्कत है। फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि उन्हें कब तक अस्पताल में रखना पड़ेगा। उनकी तबीयत को लेकर फिल्मफेयर मैगजीन ने भी एक ट्वीट किया है। इसमें दिलीप कुमार का ऑक्सीजन लेवल घटने और ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखने की बात कही गई है। दिलीप कुमार की पत्नी सायरा बानो ने बताया कि दिलीप साहब को रुटीन चेकअप के लिए नॉन कोविड पीडी हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्हें पिछले कई दिनों से सांस लेने में तकलीफ थी। हिंदुजा अस्पताल में डॉ. नितिन गोखले की टीम उनकी देखभाल कर रही है। सायरा बानो ने लोगों से अपील की है कि कृपया साहब के लिए दुआएं करते रहिए और आप भी सुरक्षित रहिए।

पिछले महीने भी भर्ती हुए थेः दिलीप कुमार पिछले महीने भी इसी हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। तब भी यही कहा जा रहा था कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है, लेकिन बाद में उनकी पत्नी सायरा बानो ने आधिकारिक स्टेटमेंट जारी कर कहा कि वे रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल में एडमिट हुए थे। सभी चेकअप के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था।

पिछले साल कोरोना से दो भाइयों का इंतकाल हो गया थाः कोरोना के चलते पिछले साल दिलीप कुमार के दो छोटे भाइयों का इंतकाल हो गया था। 21 अगस्त को 88 साल के असलम का और फिर 2 सितंबर को 90 साल के अहसान चल बसे। इसके चलते सायरा बानो और दिलीप कुमार ने 11 अक्टूबर को अपनी शादी की 54वीं सालगिरह का जश्न नहीं मनाया था।

अभिनेता पर्ल पुरी को भेजा गया 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नहीं मिली है जमानत

संवाददाता

मुंबई। 31 साल के टीवी एक्टर पर्ल वी पुरी को शुक्रवार रात एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में अरेस्ट किया गया है। यह मामला गंभीर है क्योंकि पीड़िता की मां और आरोपी दोनों एक ही सीरियल में काम करते हैं। रविवार को डीसीपी संजय पाटिल ने बताया कि पर्ल का आरटी-पीसीआर टेस्ट किया जाएगा, अगर रिपोर्ट निगेटिव आती है तो फिर सोमवार को यानी आज उन्हें ठाणे जेल में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

पुलिस स्टेशन में ही कटी रात

पर्ल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। मुंबई में कोरोना के हालात देखते हुए हर अरेस्ट हुए व्यक्ति का पहले कोरोना टेस्ट होता है। पर्ल की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही उन्हें जेल में शिफ्ट किया जाएगा। फिलहाल वे वालिव पुलिस स्टेशन में ही हैं। पुलिस का कहना है कि पर्ल नौ साल से अधिक समय से टेलीविजन धारावाहिकों में अभिनय कर रहे पुरी पीड़िता को कई महीने से जानते थे।

इन टीवी शोज का हिस्सा रहे पर्लः पर्ल ने 'नागिन 3' के अलावा 'दिल की नजर से खूबसूरत', 'फिर भी ना माने बदतमीज दिल', 'मेरी सासू मां', 'नागार्जुन एक योद्धा', 'बेपनाह प्यार और ब्रह्मराक्षस 2 में भी काम किया है। वे बिग बॉस 12 और 13 में बतौर गेस्ट भी नजर आ चुके हैं। इसके अलावा किचन चैंपियन 5 और खतरा-खतरा-खतरा जैसे रियलिटी शोज में भी पर्ल दिखाई दिए थे।

मशहूर गायक सईद साबरी का इंतकाल

जयपुर। मशहूर गायक सईद साबरी (85) का रविवार को जयपुर में हार्टअटैक से निधन हो गया। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'सिर्फ तुम' में 'इक मुलाकात जरूरी है सनम' और 'हिना' फिल्म में 'देर ना हो जाए' जैसे सुपरहिट गीत गाकर राजस्थान का नाम रोशन किया। वे कुछ सालों से बीमार चल रहे थे। करीब दो महीने पहले ही उनके बड़े बेटे और मशहूर गायक फरीद साबरी का भी इंतकाल हो गया था। देश-विदेश में गायक सईद साबरी और उनके दोनों बेटे फरीद और अमीन की जोड़ी साबरी ब्रदर्स के नाम से मशहूर थी। पहले फरीद और अब उनके पिता सईद साबरी की मौत के बाद यह जोड़ी बिखर गई। सईद ने ही बेटे फरीद और लता मंगेशकर के साथ में मिलकर 'हिना' फिल्म के लिए कव्वाली 'देर न हो जाए कहीं देर न हो जाए' गाई थी। इसके बाद साबरी ब्रदर्स ने 'सिर्फ तुम' मूवी के लिए 'इक मुलाकात जरूरी है सनम' गाया। रविवार को मथुरा वालों की हवेली से सईद साबरी का शव घाटगेट स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। साबरी परिवार जयपुर के रामगंज में रहता है।

महामारी के बीच मराठा आरक्षण की चिंता

बीड में हजारों प्रदर्शनकारी ने बिना इजाजत निकाला मोर्चा, सोशल डिस्टेंसिंग भी भूले

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण खत्म करने के विरोध में बीड में शनिवार को मराठा समुदाय का प्रदर्शन हुआ। इसमें मराठा समुदाय से जुड़े कई हजार लोग शामिल हुए। स्थानीय विधायक और शिव संग्राम पार्टी के प्रमुख विनायक मेटे के नेतृत्व में हजारों लोगों ने समृद्ध योगी छत्रपति शिवाजी महाराज जिला खेल परिसर से जिलाधिकारी ऑफिस तक मार्च निकाला। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए इस प्रदर्शन को प्रशासन से मंजूरी नहीं मिली है, लेकिन प्रदर्शनकारियों इससे बेफ्रिक नजर आए। इस दौरान लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियम की जमकर धज्जियां उड़ाई। जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एक सभा का भी आयोजन किया गया था। सभा में बोलते हुए विधायक विनायक मेटे ने कहा- विधायक विनायक मेटे ने कहा है कि पत्र लिखकर और हाथ जोड़कर आरक्षण नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार के मन में पाप है। उन्हें मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं देना है। मराठा आरक्षण रद्द करने के लिए अशोक चव्हाण के साथ-साथ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी उतने ही जिम्मेदार हैं। आरक्षण के लिए कानूनी प्रयासों की जरूरत है।'

आरक्षण को लेकर राज्य सरकार रिव्यू पिटीशन फाइल करेगीः महाराष्ट्र सरकार मराठा आरक्षण रद्द करने के फैसले की समीक्षा के लिए अर्जी दायर करेगी। प्रदेश के सार्वजनिक निर्माण कार्य मंत्री और मराठा आरक्षण उपसमिति के अध्यक्ष अशोक चव्हाण ने यह जानकारी दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश दिलीप भोसले की अध्यक्षता वाली समिति ने राज्य सरकार को मराठा आरक्षण के फैसले पर रिव्यू पिटीशन दाखिल करने की सिफारिश की है। चव्हाण ने कहा कि भोसले कमेटी ने रिपोर्ट में 40 से ज्यादा कानूनी मुद्दों के आधार पर रिव्यू पिटीशन दाखिल करने का सुझाव दिया है। समिति ने कहा है कि आरक्षण की 50% की लिमिट और 102वें संविधान संशोधन के फैसले को चुनौती देने की गुंजाइश है। चव्हाण ने कहा कि जब तक आरक्षण की 50% सीमा को बढ़ाया नहीं जाता है तब तक केवल राज्य को आरक्षण के लिए अधिकार देने से कोई फायदा नहीं है। इसलिए केंद्र सरकार को आरक्षण की 50% की लिमिट में ढील देने पर विचार करना चाहिए। इसके लिए जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेंगे।

केंद्र पर दिल्ली सरकार का बड़ा आरोपः केजरीवाल बोले- आप राशन माफिया के साथ खड़े होंगे तो गरीबों का साथ कौन देगा, पिज्जा की होम डिलीवरी हो रही तो राशन की क्यों नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली में हर घर तक राशन पहुंचाने की केजरीवाल सरकार की योजना पर केंद्र की रोक के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आप योजना पर रोक लगाकर राशन माफिया की मदद करना चाह रहे हैं। यह ठीक नहीं है। अगर आप राशन माफिया के साथ खड़े होंगे, तो गरीबों का साथ कौन देगा? केजरीवाल ने सवाल किया कि अगर इस देश में पिज्जा-बर्गर और स्मार्टफोन की होम डिलीवरी हो सकती है, तो फिर राशन की क्यों नहीं? दिल्ली में अगले हफ्ते से घर-घर राशन पहुंचाने का काम शुरू होने वाला था। सारी तैयारियां हो चुकी थीं, लेकिन आपने अचानक इसे क्यों रोक दिया? पीएम सर, इस स्कीम के लिए राज्य सरकार सक्षम है और हम केंद्र से कोई विवाद नहीं चाहते। हमें गरीबों के लिए काम करने दीजिए। हमने इसका नाम मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना रखा था। आपने तब कहा कि योजना में मुख्यमंत्री नाम नहीं आ सकता। हमने आपकी बात मानकर नाम हटा दिया। अब आपने हमारी योजना यह

कहते हुए खारिज कर दी कि हमने केंद्र से अनुमति नहीं ली है। जबकि केंद्र सरकार से इस योजना के लिए हमने 5 बार अनुमति ली। केंद्र ने कोर्ट में हमारी योजना के खिलाफ आपत्ति नहीं की, तो इसे अब क्यों खारिज किया जा रहा है? कई गरीब लोगों की नौकरी जा चुकी है। लोग बाहर नहीं जाना चाहते, इसलिए हम घर-घर राशन भेजना चाहते हैं। कानूनन हमें केंद्र से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है। फिर भी हमने आपको चिट्ठी लिखी। अब अगर आप इसे रोक देंगे, तो 70 लाख उन गरीबों का क्या होगा, जिनका राशन ये राशन माफिया चोरी कर लेते हैं। केंद्र सरकार के अधिकारी कह रहे हैं कि ये राशन केंद्र का है तो दिल्ली क्रेडिट क्यों ले? मैं क्रेडिट नहीं ले रहा हूं, प्लीज लागू कर दीजिए। दुनिया से कहूंगा कि मोदी जी ने योजना लागू की। ये राशन न आम आदमी पार्टी का है, न भाजपा का। ये राशन तो इस देश के लोगों का है और इस राशन की चोरी रोकने की जिम्मेदारी हम दोनों की है। इस वक्त देश बहुत भारी संकट से गुजर रहा है। ये वक्त एक-दूसरे का हाथ पकड़कर मदद करने का है। ये वक्त एक-दूसरे से झगड़ने का नहीं है। लोगों को लगने लगा है कि इतनी मुसीबत के समय भी केंद्र सरकार सबसे झगड़ रही है। आप ममता दीदी से झगड़ रहे हैं।

fresh &easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara
Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

मध्यप्रदेश हलचल

कोरोना महामारी में परेशान और जरूरत मंद लोगो की मदद करने का नया तरीका

भोपाल। मध्यप्रदेश भोपाल में एक ग्रुप ने कोरोना महामारी में परेशान और जरूरत मंद लोगो की मदद करने का नया तरीका अपनाया है। जो कहने को तो एक साउथ की मूवी 2006 वेंडेटा में अपनाया गया था। पर वो कहानी थी और ये युवा असल जिंदगी में अपना फर्ज निभा रहे है। जो आज के युवाओं को कुछ न कुछ सिखाती है, जी हां यहाँ राजधानी भोपाल में अब्दुल मुजीब जो पेशे से एक इंडस्ट्रीज के मालिक है वो अपने दोनों छोटे भाइयो के साथ मिलकर ये प्रयास कर रहे है कि जरूरतमंद लोगो तक राशंनकिट भोजन की मदद पोहचा सके जिसमे उनकी पहचान छुपी रहे इसलिए वो फोटो में भी मास्क का उपयोग करते नजर आरहे है। कहने को कोई इन्हें जोकर कहता है तो कोई फरिश्ता पर इन्होंने हार नही मानी और लगभग देर महीने से बराबर जरूरत मंद लोगो की मदद करने का प्रयास कर रहे है। जीशान मुजीब 30 वर्ष, अब्दुल रहमान 24 वर्ष, अब्दुल मुबीन 25 वर्ष, ओर इनके साथी लेखराज और सुनील कुर्मी भी मिलकर रोज शाम को मदद के लिए निकल जाते है। जहां भी मदद के लिए रवाना होते है वहा हेलोवीन मास्क का उपयोग करते है। जहां भी राशन किट या भोजन देते है वहां इन्हें जरूरतमंद लोग फरिश्ते के रूप में पहचानने लगे है। वहीं कुछ लोगो ने भी बताया कि अब लोग इनका बाकायदा इखट्ठा होकर इंतेज्जार करते है। अब तक हमे मिली जानकारी के हिसाब से जीशान मुजीब लगभग 5 हजार से 7 हजार तक का रोज राशन और भोजन बाट रहे है। हमारे सवाल पर उन्होंने बताया कि उनके कजिन दुबई से भोपाल आए हुए है उन्होंने ये कांसेप्ट बताया था और ये कांसेप्ट मुजीब ओर उनके छोटे भाइयों को इतना पसंद आया के लॉक डाउन के तीसरे दिन से ही अपने मित्र को लेकर सेवा में लग गए थे। अभी तक रातिबढ़, अब्बासनागर, मंदरइंडिया कॉलनी, करोंद,होउसिंगबोर्ड, गांधीनगर, सिहोर, बरेला,नारियालखेड़ा जैसे छेत्र और सुल्तानिया हॉस्पिटल रैनबसेरा जेसी जगाओ में राशन और भोजन बाट चुके है। वहीं अनलॉक के बाद भी इनकी ये सेवाएं चालू है। हमारे नम्बर भी लगभग सभी जगह बटे हुए है जहां ज्यादा जरूरत होती वहां हमे कही न कही से कॉल भी आजाता है, अभी तक 100 से ऊपर परिवारों की मदद कर चुके है, अभी तक हमारे दुआरा जो भी मदद की जा रही है इसका न ही हमने कोई फंड लिया है न लेंगे ये हमारा कांसेप्ट है और हम अपनी तरफ से जरूरतमंद लोगो की जितनी मदद कर सकते है करेंगे और हमे इस बात की खुशी भी है कि हमारा ये कॉसेप्ट शहर में लोगों को काफी पसंद आर हा है।

रामपुर हलचल

कूमल लगाकर चोरी की घटना को दिया गया अंजाम

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। ग्राम चकखरदिया में शुक्रवार की रात्री मकान में पीछे से कूमल लगाकर चोरी की घटना को दिया दिया गया अंजाम, घर के अन्दर रखी नकदी रकम सोने चांदी के आभूषणों सहित घर का अन्य सामान समेट कर ले गये,चोरी की जानकारी होने के उपरान्त मकान स्वामी ने कराया पुलिस को अवगत, पुलिस द्वारा चोरी की घटना का किया गया मौका मुआयना,चोरों को पकड़ में लाने का दिया गया आशवासन, पुलिस द्वारा चोरों को पकड़ में लाये जाने की जगह जगह की जा रही हैं छापे मारी कोतवाली अन्तर्गत ग्राम चकखरदिया निवासी हबीब अहमद पुत्र खुदा बख्श भीषण गर्मी के चलते अपने परिवार सहित घर के आंगन में सो रहे थे किसी समय रात्री में चोरों ने घर के पीछे से मकान में कूमल लगा लिया एवं मकान के दरवाजे को चोरों द्वारा बन्द कर दिया गया घर के अन्दर रखी नकदी रकम सोने चांदी के आभूषणों सहित घरेलू अन्य सामान आदि समेट कर ले गये सुबह उठने पर मकान का दरवाजा खोला जिसमें ताला लगा था वह अन्दर से मिला अन्दर से दरवाजा बन्द देखकर सभी परिवार जन भौंचक रह गये मकान के पीछे से जाकर देखा तब कूमल लगा हुआ था कूमल को देखकर सभी के होश उड़ गये चोरी की घटना से सम्बंधित मकान स्वामी द्वारा अवगत करा दिया गया है शुक्रवार की रात्री से चोर अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है चोरों द्वारा बीच बीच में चोरी की घटना को अन्जाम देते चले आ रहे हैं पुलिस के प्रति लोगों में शेष व्याप्त है तथा गाँव सहित आस पास में भय का माहौल बना हुआ है।

बुलढाणा हलचल

नगर अध्यक्षा नजमुन्निसा की मेहनत और कोशिशों से शहर के...

कब्रिस्तान और ईदगाह की सौंदर्यीकरण के लिए 25 लाख रुपए की निधी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। सरकार के अल्पसंख्यक विभाग से अल्पसंख्यक समाज के लिए निधि दि जाती है। इस निधि के लिए नगर अध्यक्ष सा नजमुन्निसा और नगर अध्यक्ष पति मोहम्मद सज्जाद उन्होंने अल्पसंख्यक मंत्री ना. नवाब मलिक इनको एक लेटर देकर बुलढाणा शहर के अल्पसंख्यक विकास के लिए निधि की मांग की गई थी। इस निधि के लिए जिले के पालक मंत्री ना. डॉ राजेंद्र जी शिगंणे ने इनकी सिफारिश से निधि मिलने की में सफलता मिलने सफलता मिली। हाल ही में नगर परिषद के मुख्य अधिकारी को 25 लाख रुपए का अल्पसंख्यक विकास निधि का चेक मिला है। और जल्द ही शहर के कब्रिस्तान

और ईदगाह का विकास काम शुरू होगा। जिससे अल्पसंख्यक समाज के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। जब से बुलढाणा नगर परिषद का नगर अध्यक्षा पद संभाला है तब से ही शहर में विकास कामों को प्राथमिकता देकर शहर के अलग-अलग प्रभागों सीमेंट रास्ते स्टेट लाइट हर प्रभावों के चौराहों पर बड़े-बड़े हाई मास्ट लगाए गए हैं। नालियों का निर्माण कार्य, हर मोहल्ले की छोटी छोटी गलियों में रंग बिरंगी गट्टू लगाए गए। साथ ही कोरोना बीमारी को ध्यान में रखते हुए शहर में विशेष तौर पर स्वच्छता पर ध्यान दिया जा रहा है। और साथ ही नगर वासियों की ख्वाहिश को पूरा करते हुए ईकबाल नगर बड़ी समतावादी पीने के पानी टाकी का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। और कुछ ही महीनों में नगर वासियों को इस बड़ी टाकी के जरिए पीने की पानी की आपूर्ति की जाएगी। ईस निर्माण कार्य को देखते हुए नगरवासी भी काफी खुश नजर आ रहे।

बुलढाणा जिले में पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना

बेटे ने मां का किया यौन शोषण, रायपुर थाने में मामला दर्ज

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले के पिंपलगांव सराय में 5 जून की रात मां और बच्चे के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना घटी इस बात का खुलासा हुआ है कि 45 साल के लड़के ने अपनी मां पर अत्याचार किया। आरोपी लड़के के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कर लिया गया है और वह फरार हो चुका है। रायपुर थाना बुलडाणा अंतर्गत पिंपलगांव सराय में हम्माली करने वाले बदमाश ने 65 वर्षीय मां को प्रताड़ित किया। इस आरोपी ने इस बात का फायदा उठाया कि उसकी

मां घर पर अकेली थी क्योंकि उसकी पत्नी महेरी गई थी और उसने यह जघन्य कृत्य किया। रविवार सुबह मां रायपुर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। गांव क्षेत्र में इस घटना की खबर फैलने के बाद हर तरफ आक्रोश है। खास बात यह है कि इस आरोपी का एक बेटा और एक बेटी है और बेटी की शादी भी हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि वह कई दिनों से शराब के नशे मे अपनी पत्नी और मां को गाली गलोच कर पिटता था। घटना के बाद आरोपी बेटा फरार हो गया। सूचना मिलते ही उपविभागीय पोलिस अधिकारी रमेश बरकते ने तत्काल पुलिस को आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। लेकिन तब तक वह फरार हो चुका था।

राजस्थान हलचल

बीकानेर पुलिस द्वारा मौत के सौदागरो की जांच मे लीपापोती की तैयारी

संवाददाता/ सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। विश्व व्यापी कोरोना महामारी के विकराल दौर मे जीवन की मूलभूत आवश्यकता आक्सीजन की कालाबाजारी के सौदागरो को बीकानेर पुलिस ने जिस तत्परता से गिरफ्तार किया उसी तत्परता से मामले में लीपापोती किये जाने की संभावना बलवती हो रही है -सबसे बड़ा सवाल यह है कि अस्पताल प्रशासन की जानकारी के बिना इतने ऑक्सीजन सिलेंडर नीजि एम्बुलेंस संचालक को कैसे दिये गये -किस किस विभाग के चिकित्सक ने ऑक्सीजन की रिकमंड़ेशन की -किस की इड़ेड़ से स्टोर कीपर ने ऑक्सीजन सिलेंडर को जारी किया- मामले मे जाच की ऑच उच्चाधिकारियो-चिकित्सको तक पहुंचने की संभावना पूरी पूरी है -बीकानेर पुलिस ने 4-5 प्यादो को गिरफ्तार कर इतिश्री कर ली मगर दौराने जाच मे किसी भी बड़े बादशाहो मे हाथ नही ड़ाला - एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि सभी मुलजिमानो के खिलाफ बीकानेर पुलिस ने इरादतन हत्या का क्यो नही बनाया जबकि ऑक्सीजन की कमी से कई मरीजो की बैमौत हुई है - पुलिस मुख्यालय राजस्थान के निर्देश मे बीकानेर पुलिस अधीक्षक स्वयं जाच करे ये बीकानेर के हर नागरिक की मांग है- अन्यथा हम यही कहेगे -रे पब्लिक है सब जानती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खट्टा-मीठा आलूबुखारा सेहत ही नहीं, बालों और स्किन के लिए भी है फायदेमंद

रसभरे आलूबुखारे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। देखने में गोल-मटोल और खाने में स्वादिष्ट ये फल सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन ए, कैल्शियम, फास्फोरस, कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फाइबर होते हैं जो हमें हैल्दी रखता है। इसके अलावा आलूबुखारे में पाए जाने वाले पौष्टिक तत्व स्किन और बालों को स्वस्थ रखता है। रोजाना दिन में सिर्फ 5 आलू बुखारे खाने से कई फायदे मिलते हैं।

1.

वजन करे कंट्रोल

आलूबुखारे में पाए जाने वाले पौषक तत्व शरीर को हैल्दी रखने का काम करता है। इसके साथ ही आलूबुखारे में कैलरी बहुत पाई जाती है जो मोटापे से छुटकारा दिलाता है।

2. आंखों के लिए फायदेमंद

आलूबुखारे में विटामिन-सी बहुत मात्रा में पाया जाता है। जो आंखों को स्वस्थ रखता है। इसके साथ ही इसमें विटामिन के, बी6 भी होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करता है।

3. दिल को रखे हैल्दी

आलूबुखारे का सेवन करने से हार्ट से संबंधित समस्याएं नहीं होती। इसके साथ ही आलूबुखारा शरीर में कोलेस्ट्रोल लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है।

4. मजबूत हड्डियां

हड्डियों को मजबूत करने के लिए आलूबुखारा खाएं। रोजाना कम से कम 5 आलूबुखारे खाने से हाथों-पैरों में होने वाले दर्द से राहत मिलती है।

5. पाचन तंत्र करें मजबूत

आलूबुखारा खाने से पेट संबंधित रोगों जैसे पेट में भारीपन महसूस होना, कब्ज और इसका सेवन करने से आंतों को भी आराम मिलता है और पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखने में मदद करता है।

6. गर्भावस्था में लाभकारी

गर्भावस्था में आलूबुखारा मां और बच्चे दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस दौरान पेट से संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आलूबुखारे खाना बैस्ट है।

7. कैंसर से बचाव

कैंसर जैसी भंयकर बीमारी से राहत पाने के लिए आलूबुखारे खाएं। क्योंकि यह शरीर में कैंसर के सेल्स नहीं बनने देता।

8. स्ट्रैस से छुटकारा

इसका सेवन करने से दिनभर के कामकाज से पैदा हुए तनाव को कम किया जा सकता है ।

9. बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करे

बैड कोलेस्ट्रॉल हमें बीमार करते हैं। शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए आलूबुखारे खाएं। इसको खाने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ने लगती हैं। इसमें पोटेशियम भी होता है जो सेल्स को स्ट्रांग बनना के साथ ही ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है।

10. डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज रोगियों के लिए आलूबुखारा बहुत फायदेमंद है। इसको खाने से पहले या बाद में खाने से ब्लड शूगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स - दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए आलूबुखारे का सेवन करें। इसमे मौजूद एंटीऑक्सीडैंट शरीर में ब्लड सकुर्लेशन को ठीक रखता है जो चेहरे पर पड़े सारे दाग-धब्बों को साफ करता है। आलूबुखारे में विटामिन्स और प्रोटीन पाए जाते हैं जो बालों को झड़ने से रोकता है। रोजाना इसको खाने से बाल मजबूत होते हैं।

पोटैशियम की कमी के बड़े संकेत, जिसे आप भी करते हैं नजरअंदाज

स्वस्थ रहने के लिए आयरन, मिनरल्स, विटामिन और कैल्शियम आदि सभी बहुत जरुरी होते हैं, जिसमें से एक पोटैशियम भी है। शरीर में पोटैशियम की कमी को हाइपोक्लेमिया कहा जाता है। स्वस्थ रहने और बीमारियों से बचने के लिए हर किसी के शरीर को रोजाना रोजाना 47000 मिलीग्राम पोटैशियम की जरूरत होती है। क्योंकि पोटैशियम दिल, दिमाग और मांसपेशियों की कार्यप्रणाली को सुचारू ढ़ग से चलाने में मदद करता है। शरीर में पोटैशियम की कमी से हाइपोकैलीमिया और मानसिक रोग होने का खतरा सबसे ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसे में आज हम आपको इसकी कमी के कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जिस पहचानकर आप पोटैशियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।

पोटैशियम की कमी के लक्षण

1. कमजोरी

पोटैशियम की कमी के कारण शरीर में एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे शरीर में सुस्ती, थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है।

2. तनाव

अधिक तनाव या डिप्रैशन का होना भी पोटैशियम की कमी का संकेत होता है। इतना ही नहीं, पोटैशियम की कमी से होने वाला तनाव मानसिक समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

3. अनिद्रा की समस्या

अगर आपके शरीर में भी पोटैशियम की कमी है तो आपको नींद न आने की समस्या हो सकती है। ऐसे में अनिद्रा की समस्या होने पर डॉक्टर से चेकअप करवाएं।

4. उल्टी और दस्त

शरीर में पोटैशियम की कमी होने पर उल्टी और दस्त की समस्या भी हो सकती है। क्योंकि इसकी कमी होने पर पाचन तंत्र में गड़बड़ी हो जाती है, जिससे उल्टी और दस्त होने लगते हैं।

5. त्वचा में बदलाव

इसकी कमी का असर त्वचा पर दिखाई देती है। इसलिए पोटैशियम की कमी होने पर त्वचा रूखी और खुश्क हो जाती है और आपको पसीना भी अधिक आने लगता है।

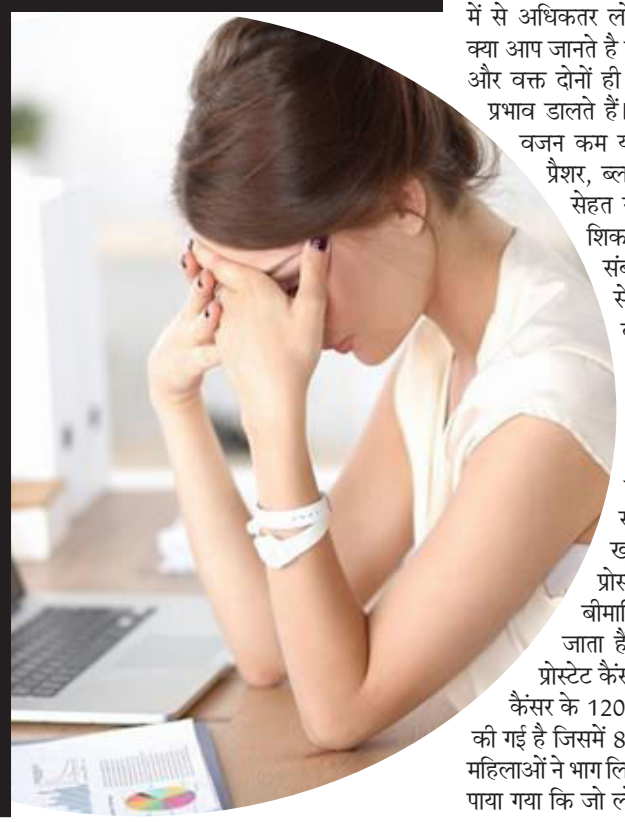

अगर आप भी करते हैं ये काम तो कैंसर को दे रहे हैं न्योता!

रात को खाना खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर गिर जाना, ऐसा हम और आप में से अधिकतर लोग करते होंगे लेकिन क्या आप जानते है खाने की गलत आदतें और वक्त दोनों ही हमारी सेहत पर बुरा प्रभाव डालते हैं। अधिकतर लोगों को वजन कम या ज्यादा होना, ब्लड प्रैशर, ब्लड शुगर लेवल आदि सेहत संबंधी समस्याओं की शिकायत रहती है जिसका संबंध खाने के गलत वक्त से हैं। हम लोग गलत वक्त पर खाना खाते है, जिससे हमारा शरीर कई समस्याओं के घेरे में आ जाता हैं। हाल ही में हुई एक स्टडी में सामने आया है कि रात को देर रात खाना खाने से ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता हैं। स्टडी के अनुसार, प्रोस्टेट कैंसर के 621 तथा ब्रेस्ट कैंसर के 1205 मामलों की पड़ताल की गई है जिसमें 872 पुरुष और 1321 महिलाओं ने भाग लिया। दरअसल, शोध में पाया गया कि जो लोग रात को 9 बजे से

पहले डिनर कर लेते है और खाने व सोने की बीच तकरीबन 2 घंटे का अंतर रखते है, उनमें प्रोस्टेट कैंसर के विकास की संभावना 26 प्रतिशत कम होती हैं। वहीं जो लोग रात को 10 बजे खाना खाते है व तुरंत सो जाते है उनमें कैंसर की आंशका बढ़ जाती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकतर लोग इन दो तरह के कैंसर का शिकार हो रहे हैं। उनका कहना है कि नाइट शिफ्ट में काम करने वाले ज्यादातर लोगों में इन दोनों तरह के कैंसर होने की आशंका ज्यादा रहती है, जिसकी वजह जैविक क्रमचक्र खलल पड़ना हैं। शरीर की आंतरिक घड़ी में खलल पड़ने से हमारा इम्यून सिस्टम काम करना बंद कर देता हैं, जिससे शरीर में ट्यूमर्स विकसित करने वाले जोखिम और भी ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। इसलिए रात को खाने और सोने के समय में सही अंतराल जरूर रखें, ताकि आप कैंसर की बीमारी से हमेशा बचे रह सकें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पूजा बेदी ने प्यार के लिए बदल लिया था धर्म

बॉलिवुड ऐक्टर कबीर बेदी की बेटी पूजा बेदी ने भले ही अपने करियर में काफी कम फिल्में की हैं मगर वह अपनी बोल्डनेस और बेबाकी के लिए हमेशा चर्चा में रही हैं। पूजा बेदी ने बताया है कि आखिर उन्होंने एक सफल करियर के बीच में फिल्मों में काम करना क्यों छोड़ दिया था। पूजा बेदी ने 1994 में फरहान फर्नीचरवाला से शादी की थी। तब पूजा बेदी को बॉलिवुड में फिल्मों के काफी ऑफर्स मिल रहे थे। मगर पूजा बेदी ने शादी करके फिल्मों को अलविदा कह दिया। फरहान फर्नीचरवाला एक मुस्लिम-पारसी फैमिली के थे। पूजा ने फरहान से शादी करने से पहले इस्लाम धर्म अपना लिया था। पूजा की शादी भी मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई थी। इस्लाम में कन्वर्ट होने के बाद पूजा ने अपना नाम बदलकर नूरजहां कर लिया था। पूजा बेदी ने बताया कि उनकी पूर्व पति फरहान की फैमिली काफी रूढ़िवादी है। इसलिए फरहान ने शादी से पहले ही पूजा को बोल दिया था कि अगर वह उनसे शादी करती हैं तो उन्हें फिल्मों में काम करना छोड़ना पड़ेगा। पूजा ने कहा कि उन्हें इस बात का कोई पछतावा नहीं है कि उन्होंने ऐसे समय पर फिल्मों में काम करना छोड़ा जबकि उन्हें काफी ऑफर्स मिल रहे थे। हालांकि पूजा ने यह जरूर माना है कि अगर आज उन्हें यह फैसला लेना होता तो शायद वह फिल्में नहीं छोड़तीं। पूजा बेदी और फरहान की शादी बहुत लंबी नहीं चली। केवल 9 सालों बाद ही दोनों का तलाक हो गया। पूजा बेदी ने साल 2019 में अपने बॉयफ्रेंड मानिक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई कर ली है। पिछले काफी समय से पूजा गोवा में रह रही हैं और वह जल्द ही मानिक से शादी कर सकती हैं।

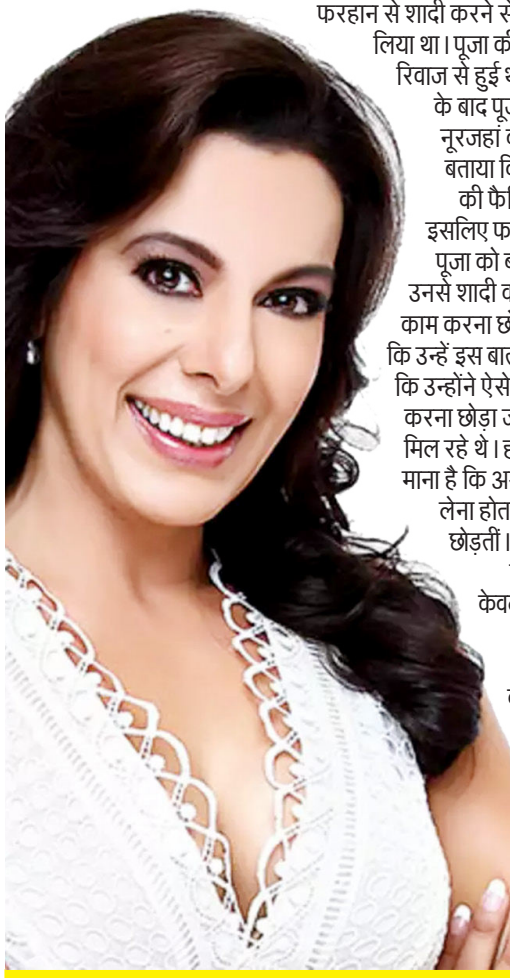

हॉरर कॉमेडी फिल्म में रितेश देशमुख के साथ नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा!

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। अब खबरें आ रही है कि सोनाक्षी के हाथ एक और फिल्म लग गई हैं। इस फिल्म में वह पहली बार रितेश देशमुख के साथ नजर आने वाली हैं। खबरों के अनुसार सोनाक्षी सिन्हा हॉरर कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रही हैं। इस फिल्म को रोनी स्क्रूवाला बना रहे हैं। बताया जा रहा है। सोनाक्षी और रितेश इस फिल्म के लिए हां कर चुके हैं। वहीं फिल्म की तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है। इस फिल्म के निर्देशक के लिए किसी डेब्यू निर्देशक को भी साइन किया गया है। इस फिल्म की शूटिंग राजस्थान में की जाएगी। सब कुछ सही रहा तो इसी साल सितंबर में शूटिंग शुरू हो जाएगी।

आलिया के साथ फिर रोमांस करेंगे रणवीर सिंह

फिल्म 'गली बॉय' में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। वहीं अब खबर आ रही है कि यह जोड़ी एकबार फिर पर्दे पर रोमांस करती नजर आएंगी। दोनों करण जौहर की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म का टाइटल 'प्रेम कहानी' रखा गया है। निर्माता एक अलग लेकिन रिलेटेड टाइटल की तलाश में थे और तभी उनको प्रेम कहानी नाम पसंद आया है। खबरों के अनुसार फिल्म मई के महीने में फ्लोर पर जाने के लिए तैयार थी, लेकिन कोरोना ने निर्देशक की योजनाओं पर पानी फेर दिया। फिल्म पूरी तरह से दो अपोजिट किरदारों की लव स्टोरी है। मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू करने से पहले क्रू मेंबर्स को वैक्सीन लगवाने का प्रॉसेस शुरू किया है। सेट डिजाइनिंग से लेकर सभी चीज वर्क इन प्रोग्रेस में है। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम ने कहानी और डायलॉग को लिख कर पूरा कर लिया है।